भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1774
(उत्तर देने की तारीख 29.07.2026)

भारतीय पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय (टीकेडीएल) तक पहुंच

1774. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियन:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय (टीकेडीएल) तक पहुंच बनाने संबंधी कोई समझौता किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और इसके अपेक्षित परिणाम क्या हैं;
(ख) क्या भारतीय पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय में भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से संबंधित 5.2 लाख से अधिक संपाकों एवं उपचार पद्धतियों की जानकारी उपलब्ध है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या आईपी ऑस्ट्रेलिया के साथ हस्ताक्षरित समझौते से गैर-प्रकटीकरण समझौतों (एनडीए) के अधीन उक्त डेटाबेस तक पहुंच बनी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) जी हां । पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय (टीकेडीएल) डेटाबेस तक पहुंच दुनिया भर के उन पेटेंट कार्यालयों को प्रदान की जाती है, जिन्होंने पेटेंट प्रदान करने की प्रक्रियाओं के लिए वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के साथ गैर-प्रकटीकरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं । टीकेडीएल तक पहुंच रखने वाले अठारह पेटेंट कार्यालयों में पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न महानियंत्रक (भारत), यूरोपीय पेटेंट कार्यालय, अमेरिकी पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालय, जापानी पेटेंट कार्यालय, जर्मन पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालय, कनाडाई बौद्धिक संपदा कार्यालय, राष्ट्रीय औद्योगिक संपदा संस्थान (आईएनएपीआई) (चिली), आईपी ऑस्ट्रेलिया, बौद्धिक संपदा कार्यालय (यूके), मलेशिया का बौद्धिक संपदा निगम, रोसपेटेंट (रूस), मुक्त प्रतिस्पर्धा और बौद्धिक संपदा के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय संस्थान (इंडेकोपी) (पेरू), स्पेनिश पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालय, डेनिश पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालय, राष्ट्रीय औद्योगिक संपदा संस्थान (आईएनपीआई, फ्रांस), यूरेशियन पेटेंट संगठन (ईएपीओ), फिलीपींस का बौद्धिक संपदा कार्यालय (आईपीओपीएचएल) (फिलीपींस) और राष्ट्रीय औद्योगिक संपदा संस्थान (आईएनपीआई), ब्राजील शामिल हैं । टीकेडीएल डेटाबेस तक पहुंच पेटेंट परीक्षकों को पेटेंट आवेदनों के परीक्षण के दौरान डेटाबेस से प्रासंगिक

पूर्व-कला साक्ष्यों की पहचान करने में सक्षम बनाती है। यह समझौता पेटेंट कार्यालयों को इस शर्त पर टीकेडीएल का उपयोग करने के लिए अधिकृत करता है कि वे इस जानकारी का उपयोग पेटेंट खोज के लिए करेंगे और पेटेंट आवेदकों को उद्धरण उद्देश्यों हेतु केवल प्रासंगिक पूर्व-कला जानकारी ही प्रदान करेंगे। उपरोक्त के अतिरिक्त, सीएसआईआर-टीकेडीएल द्वारा टीकेडीएल में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर भारतीय पारंपरिक ज्ञान से संबंधित पेटेंट आवेदनों के संबंध में तृतीय-पक्ष टिप्पणियां तथा पेटेंट प्रदान किए जाने से पूर्व आपत्तियां प्रस्तुत की जाती हैं। वर्ष 2009 से टीकेडीएल के माध्यम से 375 पेटेंट आवेदन या तो अस्वीकृत किए गए हैं अथवा वापस ले लिए गए/वापस लिया हुआ माना गया है या उनमें संशोधन किया गया है अथवा उन्हें निरस्त किया गया है, जिससे इसके अधिदेश के अनुरूप भारतीय पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण हुआ है।

(ख) जी हां वर्तमान में टीकेडीएल में भारतीय चिकित्सा पद्धतियों (आईएसएम) और स्वास्थ्य से संबंधित प्राचीन ग्रंथों जैसे आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और योग की जानकारी शामिल है और इसमें डेटाबेस में लिपिबद्ध किए गए लगभग 5,19,978 सूत्रीकरणों, पद्धतियों, नैदानिक तरीकों, शल्य चिकित्सा उपकरणों एवं युक्तियों, प्रक्रियाओं, आहार संबंधी हस्तक्षेपों और अन्य पारंपरिक ज्ञान जानकारियों की विषय-वस्तु शामिल है। इसका विवरण निम्नानुसार है:-

संकाय	भाषा	अभिलिखित पुस्तकों की संख्या	अभिलिखित सूत्रीकरणों की संख्या
आयुर्वेद	संस्कृत, हिंदी, मलयालम	205	1,48,846
यूनानी	उर्दू, अरबी, पारसी	78	2,65,496
सिद्ध	तमिल	301	89,403
योग	संस्कृत, हिंदी	107	7,136
सोवा रिग्पा	भोती	5	9,097
कुल		696	5,19,978

(ग) जुलाई 2026 में आईपी ऑस्ट्रेलिया के साथ हस्ताक्षरित गैर-प्रकटीकरण समझौता आईपी ऑस्ट्रेलिया के पेटेंट परीक्षकों को डेटाबेस से पूर्व-कला साक्ष्यों की पहचान करने में सक्षम बनाने के लिए टीकेडीएल डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करता है और इस प्रकार पेटेंट परीक्षण और उसे प्रदान करने की प्रक्रियाओं के दौरान उनकी सहायता करता है।

****